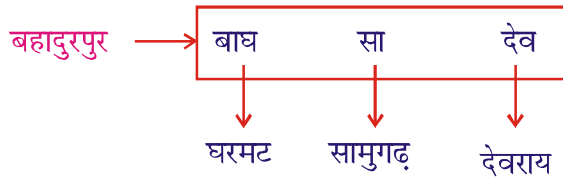


शाहजहाँ (1627-58)

- शाहजहाँ का जन्म 5 Jan. 1592 को जगत गोसाई के गर्भ से हुआ था।
- शाहजहाँ के बचपन का नाम खूरम था।
- 1612 ई. में शाहजहाँ का विवाह आसफ खान की पुत्री अर्जुमन्द बानो बेगम से हुआ जिसे मुमताज महल कहा जाता है। शाहजहाँ ने इसे मल्लिका-ए-जमानी की उपाधि दिया।
- मुमताज महल के 14 संतान हुए और इसकी मृत्यु 1631 में 14वें संतान के प्रसव पिड़ा के कारण हुयी।
1. दारा शिकोह 2. शाहशुजा 3. औरंगजेब 4. मुरादबख्स 5. जाहाआरा 6. रोशन आरा 7. गौहन आरा
- मुमताज महल की कब्र पर मुमताज महल बनाया गया इसे ही ताजमहल कहते हैं।
- ताजमहल के वास्तुकार उस्ताद अहमद लहौरी थे। जबकि ताजमहल को इशा खां के देख रेख में बनाया गया और शाहजहाँ के समय माहाषा का शासक खान-ए-जहां लोदी ने विद्रोह किया। किन्तु शाहजहाँ ने उनके विद्रोह को दबाकर उनकी हत्या कर दी।
- शाहजहाँ का संघर्ष पुर्तगालियों से हुआ। शाहजहाँ ने पुर्तगाली व्यापारिक कोसी हुगली पर अधिकार कर लिया।
- शाहजहाँ का 6वें शिष्य गुरु हरगोविन्द के साथ ही शिष्य करने के लिए सहाय्य हुआ।
- शाहजहाँ 1686 ई. में दक्षिण भारत अभियान शुरू किया उसने दक्षिण भारत अभियान की जिम्मेदारी औरंगजेब को दे दिया। और औरंगजेब ने बड़ी की कुशलता पूर्वक अहमदनगर, बरार, तेलंगना तथा खान देश को जीत लिया।
- बुदेला सरदार जुझार सिंह ने शाहजहाँ से विद्रोह कर दिया किन्तु शाहजहाँ ने विद्रोह दबा दिया।
- अफगान सेनापति खान-ए-जहा लोदी ने विद्रोह किया किन्तु शाहजहाँ इस विद्रोह को भी दबा दिया।
- शाहजहाँ के समय अफगानिस्तान था मध्य एशिया पूरी तरह स्वतन्त्र हो गया।
- शाहजहाँ ने अपने कर्मचारियों वार्षिक वेतन के स्थान पर मासिक वेतन देना प्रारंभ किया।
- शाहजहाँ के समय को स्थापत्यकला का स्वर्णकाल कहा जाता है क्योंकि इसमें वास्तुकला के क्षेत्र में बहुत से इमारत बनवाए; जैसे दिल्ली का लाल किला, दिल्ली का जमा मस्जिद आगरा में ताजमहल, आगरा के लाल किला में मोती मस्जिद, लाहौर में शीश महल।
- Remark :** दिल्ली के लाल किला में मोती मस्जिद का निर्माण औरंगजेब ने करवाया।
- शाहजहाँ ने राजधानी आगरा को दिल्ली लेकर आया। इसने लाल किला में दिवान-ए-आम तथा दिवाने खास की स्थापना कीया।
- दिवाने आम में साधारण मुद्दे जबकि दिवाने-खास में महत्वपूर्ण मुद्दे सुलझाए जाते थे।
- शाहजहाँ ने मयूर सिंहासन बनवाया था। यह मथुरा सिंहासन दिवाने आम में रखा रहता था। (मयूर सिंहासन का वास्तुकार बादल रखा था)
- Remark :** मयूर सिंहासन पर बैठने वाला अंतिम मुगल शासक मो० शाह था।
- शाहजहाँ ने अकबर द्वारा चलाए गये इलाही संवत के स्थान पर पुनः हिजरी कैलेंडर को लागू करवाया।

- शाहजहां ने अकबर द्वारा चलाए गये, झरोखा-दर्शन तथा तुलादान प्रथा पर रोक लगा दिया।
- शाहजहां ने अपने जीवन के समय में ही दारा शिकोह अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया था।
- शाहजहां जब बिमार पड़ा तो यह अफवाह फैल गयी थी कि शाहजहां की मृत्यु हो गयी। अतः पुत्रों में उत्तराधिकार के लिए युद्ध हुआ।
- उत्तराधिकार के लिए चार युद्ध हुए-



- **बहादुरपुर का युद्ध** - यह युद्ध Feb. 1658 ई० द्वारा शिकोह के पुत्र सुलेमान ने शाहशुजा को पराजित कर दिया।
- **घरमत का युद्ध** - यह युद्ध Apr. 1658 में औरंगजेब एवं दारा शिकोह के बीच हुआ। जिसमें औरंगजेब जीत गया।
- **सामुगढ़ का युद्ध** - यह युद्ध June 1658 में औरंगजेब एवं दारा शिकोह के बीच हुआ। इस युद्ध में भी औरंगजेब जीत गया और आगरा में अपना राज्याभिषेक कराया।
- इस युद्ध को जीतने के बाद औरंगजेब शाहजहां को बन्दी बना दिया और उसे जेल में शाहजहां के अनुसार ही चलने के लिए कह दिया।
- 1666 ई० में शाहजहां की मृत्यु हो गयी। यह मुगल सल्तन वंश एक मात्र शासक था जिसका असिम संस्कार नौकर-चाकर ने किया।
- **देवराय का युद्ध** - यह युद्ध Apr. 1659 ई० में औरंगजेब एवं दारा शिकोह के बीच हुआ। इस युद्ध में भी औरंगजेब जीत गया और दारा शिकोह की हत्या कर दिया। इस युद्ध को जीतने के बाद औरंगजेब ने दिल्ली में अपना दुबारा राज्याभिषेक कराया। इसप्रकार F.S.T. के बाद औरंगजेब ऐसा दुसरा शासक हुआ जिसने अपना राज्याभिषेक दो बार करवाया।
- दारा शिकोह को इतिहासकार लेनपुल ने साम्प्रदायिक उदारता के कारण लघु अकबर कहा।
- जहानारा ने युद्ध में औरंगजेब का साथ दिया वे जीवन भर कुंवारी रह गयी।